JESUS
316

Who is Jesus?

यीशु कौन है? केवल बाइबल ही हमें इस प्रश्न का वास्तविक उत्तर देती है। प्रेरित पौलुस ने लिखा, *"सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है,"* 2 तीमुथियुस 3:16. परमेश्वर की प्रेरणा से रचित बाइबल, उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक यही सिखाती है कि बीते हुए अनन्तकाल से लेकर, भावी अनन्तकाल तक, यीशु परमेश्वर है। बाइबल यह घोषित करती है कि वही *"जो था और जो आनेवाला है, वही अल्फ़ा और ओमेगा है"* प्रकाशितवाक्य 1:8. बाइबल यीशु की पहचान बताती है कि वही परमेश्वर, सृष्टिकर्ता, महान रखवाला, प्रभु, मुक्तिदाता, परमेश्वर का मेम्ना, प्रभुओं का प्रभु, राजाओं का राजा, तथा पुनरुत्थान और जीवन है।

यीशु सृष्टिकर्ता था। *"आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ। और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा,"* यूहन्ना 1:1-14 से लिया गया अंश। *"क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हों अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएँ, क्या प्रधानताएँ, क्या अधिकार, सारी वस्तुएँ उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं,"* कुलुस्सियों 1:16-17 से लिया गया अंश।

यीशु ही "मैं हूँ" है। यीशु, परमेश्वर के दूत ने निर्गमन 3 में जलती हुई झाड़ी में से मूसा से बात की (~1,450 ईस्वी पूर्व), और अपनी पहचान महान *"मैं हूँ"* बताई। यूहन्ना 8 में, प्रभु ने स्वयं को महान "मैं हूँ" बताया, जिसका अस्तित्व अब्राहम (~2,100 ईस्वी पूर्व) तथा यहूदी जाति से भी पहले था। यहूदियों ने समझ लिया कि इससे वह स्वयं के परमेश्वर होने का दावा कर रहा है, और उसे मार डालने के लिए उन्होंने पत्थर उठा लिये। बाद में यीशु ने कहा *"मैं और पिता एक हैं,"* यूहन्ना 10:30-31. और यहूदियों ने एक बार फिर से पत्थर उठा लिये।

यीशु पुराने नियम में है। परमेश्वर पिता को कभी किसी ने नहीं देखा है, यूहन्ना 1:18, 6:46. परन्तु, परमेश्वर ने, देहधारी होने से पूर्व के यीशु के रूप में, बैतलहम में अपने जन्म से पहले, पुराने नियम में कई लोगों को दर्शन दिए। उसने उत्पत्ति 16 और 21 में यहोवा के दूत के रूप में हाजिरा को, निर्गमन 3 में मूसा को, न्यायियों 6 में गिदोन को, और न्यायियों 13 में शिमशोन के माता-पिता को दर्शन दिया। उत्पत्ति 18 और 22 में, यीशु ने अब्राहम को और उत्पत्ति 31 और 32 में याकूब को भी दर्शन दिया। और यशायाह 48:12-19 (जो लगभग 700 ईस्वी पूर्व में लिखा गया), यीशु का उल्लेख त्रिएक परमेश्वर में से एक के रूप में है।

यीशु वही था, जिस की भविष्यद्वाणी की गई थी। सैकड़ों साल पहले से, पुराने नियम में लिखी गई 300 से भी अधिक भविष्यद्वाणियाँ, यीशु के जन्म, जीवन, और मृत्यु का वर्णन करती हैं। भजन 22 में, उन में से कुछ भविष्यद्वाणियों में उसे क्रूस पर चढ़ाए जाने का भयानक वर्णन मिलता है (ये लगभग 1,000 ईस्वी पूर्व लिखी गई थीं, जब पत्थरवाह करने के द्वारा, मृत्युदण्ड दिया जाता था)। भजन 22 की उन भविष्यद्वाणियों के पूरा होने को, मत्ती 27 में लिखा गया है।

यीशु परमेश्वर-मनुष्य बन गया। यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भविष्यद्वाणी की थी कि, *"क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है;"* यशायाह 9:6. यशायाह ने पहचान करवाई कि वही सामर्थी परमेश्वर होगा। अनन्तकालीन पुत्र को बैतलहम में जन्मे एक पुत्र के रूप में दिया गया। यीशु का अस्तित्व, उसके जन्म लेने से पहले, बीते हुए अनन्तकाल से था। यह उपाधि "परमेश्वर का पुत्र" उसके जन्म को नहीं, वरन् उसकी पदवी को दिखाती है। इसका यह अर्थ नहीं है कि वह बैतलहम में जन्म होने पर अस्तित्व में आया। प्रेरित पौलुस ने लिखा, *"जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो; जिसने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। वरन् अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु, हाँ, क्रूस की मृत्यु भी सह ली,"* फिलिप्पियों 2:5-8. यीशु, परमेश्वर होते हुए भी पूर्णतः मनुष्य बन गया। अनन्त, पहले से अस्तित्व में यीशु, मनुष्य बनने के लिए स्वर्ग से उतर कर आ गया यूहन्ना 3:13, 31, यूहन्ना 6:33-38. यीशु, एक ही साथ परमेश्वर और मनुष्य था।

यीशु ने आश्चर्यकर्म किये। उसके किये हुए बहुत से आश्चर्यकर्म नए नियम में मिलते हैं। उनमें से तीन, नाटकीय रीति से उसके दावों के साथ हैं। उसने चमत्कारिक रीति से 5,000 को भोजन खिलाया और फिर कहा, *"जीवन की रोटी मैं हूँ,"* यूहन्ना 6:35. उसने एक अन्धे व्यक्ति को यह कहने के बाद चँगा किया कि, *"जब तक मैं जगत में हूँ, तब तक जगत की ज्योति हूँ,"* यूहन्ना 9:1-8. और, उसने कहा, *"पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ; जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा,"* यूहन्ना 11:25. फिर यीशु चलकर अपने मित्र लाज़र की कब्र पर गया, जिसे मरे हुए चार दिन हो चुके थे, और आवाज़ देकर उसे जीवित वापस बुला लिया। यीशु ने बीमारों, बहरों, गूँगों, कोढ़ियों, और दुष्टात्मा से ग्रसित लोगों को चँगा किया। उसने पानी को दाखरस बनाया, पानी पर चला, और समुद्र को शान्त किया। मत्ती 9:2-7 बताता है कि लोग एक लकवे के मारे व्यक्ति को यीशु के पास लाए।

Hindi

उसने उस व्यक्ति से कहा *"हे पुत्र, ढाढ़स बाँध; तेरे पाप क्षमा हुए।"* धार्मिक अगुवों ने इसे ईश-निन्दा समझा, क्योंकि केवल परमेश्वर ही पाप क्षमा कर सकता है। यीशु ने उनसे पूछा, *"सहज क्या है? यह कहना, 'तेरे पाप क्षमा हुए', या यह कहना, 'उठ और चल फिर।' परन्तु इसलिये कि तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।" तब उसने लकवे के रोगी से कहा, "उठ, अपनी खाट उठा, और अपने घर चला जा।" वह उठकर अपने घर चला गया।"*

यीशु ने यह प्रमाणित किया कि वह परमेश्वर है। यीशु ने उसके जन्म, जीवन, और मृत्यु से सम्बन्धित पुराने नियम में दी हुई भविष्यद्वाणियों को पूरा किया। उसने अनेकों आश्चर्यकर्मों को करने के द्वारा दिखाया कि वह परमेश्वर है। वह अधिकार के साथ उपदेश दिया करता था। *"जब यीशु ये बातें कह चुका, तो ऐसा हुआ कि भीड़ उसके उपदेश से चकित हुई, क्योंकि वह उनके शास्त्रियों के समान नहीं परन्तु अधिकारी के समान उन्हें उपदेश देता था,"* मत्ती 7:28-29. और उसने एक निष्पाप जीवन जिया, इब्रानियों 4:15, 1 पतरस 2:22, 1 यूहन्ना 3:5. यीशु, निष्पाप परमेश्वर-मनुष्य होने के नाते, हमारे पापों के लिये बलि किए जाने के लिये, परमेश्वर का सिद्ध मेम्ना बन गया। *"वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिये हुए क्रूस पर चढ़ गया, जिससे हम पापों के लिये मरकर धार्मिकता के लिये जीवन बिताएँ : उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए,"* 1 पतरस 2:24.

यीशु क्रूस पर मारा गया और मृतकों में से जी उठा। *"तुम्हारा छुटकारा चाँदी–सोने अर्थात् नाशवान् वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ; पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने, अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ"* 1 पतरस 1:18-19. *"उन्होंने उसे काठ पर लटकाकर मार डाला। उसको परमेश्वर ने तीसरे दिन जिलाया, और प्रगट भी कर दिया है उसकी सब भविष्यद्वक्ता गवाही देते हैं कि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी,"* प्रेरितों 10:39-40, 43. *"इसी कारण मैं ने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुँचा दी, जो मुझे पहुँची थी कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया, 4और गाड़ा गया, और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा,"* 1 कुरिन्थियों 15:3-4. यीशु कब्र में से जी उठा, और वापस स्वर्ग पर उठाए जाने से पहले, बहुत सारे गवाहों को दिखाई दिया।

परमेश्वर तक पहुँचने का केवल यीशु ही एकमात्र मार्ग है। यीशु ने कहा, *"मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता,"* यूहन्ना 14:6. प्रेरित पतरस ने कहा कि, *"किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें,"* प्रेरितों 4:12. प्रेरित पौलुस ने लिखा, *"क्योंकि परमेश्वर एक ही है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है। जिसने अपने आप को सब के छुटकारे के दाम में दे दिया,"* 1 तीमुथियुस 2:5-6. परमेश्वर तक पहुँचने का यीशु का मार्ग अन्य किसी भी धर्म से भिन्न है। वे हमारे पापों की समस्या का कोई समाधान नहीं देते हैं। उनकी शिक्षा है कि, भले और बुरे की उनकी विभिन्न परिभाषाओं के अनुसार, यदि हम सामान्यतः भला करते रहें, तब सम्भव है कि उनके देवता आप के पापों की अनदेखी करें और आप को स्वर्ग में प्रवेश कर लेने दें। यीशु का मार्ग है कि उस पर विश्वास करने के द्वारा, आपके पापों की कीमत क्रूस पर चुका दी गई और पाप क्षमा कर दिए गए। यीशु के साथ, आप क्षमा प्राप्त कर के स्वर्ग जाते हैं। *"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए,"* यूहन्ना 3:16.

यीशु वापस आएगा। यीशु ने कहा, *"तुम्हारा मन व्याकुल न हो; परमेश्वर पर विश्वास रखो और मुझ पर भी विश्वास रखो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं; यदि न होते तो मैं तुम से कह देता; क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ। और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो,"* यूहन्ना 14:2-3. और बाइबल के अन्तिम शब्दों में, यीशु ने कहा, *"मैं शीघ्र [अचानक]आने वाला हूँ।"* प्रेरित यूहन्ना ने उसमें जोड़ा, *"आमीन। हे प्रभु यीशु आ,"* प्रकाशितवाक्य 22:20-21. यदि यीशु आज वापस आया, तो क्या आप उससे मिलने के लिए तैयार होंगे? यीशु पर विश्वास करने और परमेश्वर से क्षमा प्राप्त करने के द्वारा तैयार होने को सुनिश्चित करने के लिए www.Gospel316.org पर आएँ।

बीते हुए अनन्तकाल से लेकर, भावी अनन्तकाल तक, यीशु परमेश्वर है।

उसके नाम के लिए जाने पर अवाक कर देने वाले अचम्भे से स्तब्ध हों!

जॉन डी. मॉरिस III द्वारा लिखित *यीशु कौन है*? © 2025, को एक्टस वन ऐट द्वारा प्रकाशित किया गया है। आप इसकी सामग्री में बिना कोई परिवर्तन किए, और इस सम्पूर्ण विवरण को सम्मिलित करते हुए, निःसंकोच इसे छाप सकते हैं, इसकी प्रतियाँ बना सकते हैं, डाक से भेज सकते हैं, ईमेल कर सकते हैं, या लिखित सन्देश के समान भेज सकते हैं। आप पृष्ठ एक के शीर्ष पर अपनी सेवकाई या कलीसिया का नाम अथवा लोगो को जोड़ सकते हैं, और पृष्ठ दो के अन्त में दी गई मोटी रेखा के नीचे आप से सम्पर्क करने की जानकारी दे सकते हैं। जीसस316 केवल बाइबल पर ही आधारित है। इसका उद्देश्य लोगों को यीशु मसीह में विश्वास करने के निकट लाने और उन्हें प्रभु के शिष्यों के रूप में बढ़ने में सहायता करना है। आप Hello@Mail316.org पर एक्टस वन ऐट को ईमेल भेज सकते हैं (यदि सम्भव हो तो अंग्रेजी में)। गैर-अंग्रेजी भाषाओं में अनुवाद सेवाएँ www.ChristianLingua.com द्वारा उपलब्ध करवाई गईं। *यीशु कौन है*?, 48 भाषाओं में, www.Jesus316.org से मुफ़्त में उपलब्ध है। अंग्रेजी संस्करणों में बाइबल के हवाले The Lockman Foundation's New American Standard Bible 1995 से लिए गए हैं। इस अनुवाद में बाइबल के हवाले HINOVBSI से लिए गए हैं।